- 20 -

08 MAR 2022

हिन्दुस्तान

लापता बच्चों के मां-बाप की उम्मीद बनीं सीमा

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

लापता बच्चों को ढूंढ़कर बिना बारी के तरक्की पाने वाली एएसआई सीमा ढका के पास लोग यू ट्यूब वीडियो देखकर पहुंचते हैं। इसमें वे लोग भी शामिल हैं, जिनके बच्चे दूसरे थाना क्षेत्रों से लापता हुए हैं और वो जांच अधिकारी से संतुष्ट नहीं हैं।

वर्ष 2020 में खोए बच्चों को ढूंढ़ने पर तत्कालीन पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने सीमा ढका को बिना बारी की तरक्की देने की घोषणा की थी। समयपुर बादली थाने में तैनात सीमा ढका ने तीन महीने के भीतर 76 बच्चों को ढूंढ़ निकाला था, जिसके बाद उन्हें हेड कांस्टेबल से एएसआई बना दिया गया था। तरक्की मिलने के बाद भी सीमा ने यह काम बंद नहीं किया बल्कि डेढ़ साल में 74 और बच्चों को ढूंढ़ निकाला है। इनमें कुछ ऐसे भी बच्चे हैं जो समयपुर बादली थाना क्षेत्र से नहीं खोए थे, यूट्यूब पर सीमा के बारे में देखकर बच्चों के परिजनों ने सीमा से संपर्क साधा था।

उपलब्धि

- तीन साल में 76 लापता बच्चों को ढूंढ़ने पर तरक्की देकर एएसआई बनाई गई
- तरक्की मिलने के बाद भी डेढ़ साल के अंदर 74 लापता बच्चों को खोजकर परिवार से मिलाया

सीमा की देखरेख में हेडकांस्टेबल सुनीता और मनोज की टीम बनाई गई है। इसमें मनोज ने 112 और सुनीता ने 75 बच्चों को ढूंढ़कर उनके परिवार से मिलाया है। इनकी तरक्की के लिए पत्र पुलिस मुख्यालय भेजा गया है।

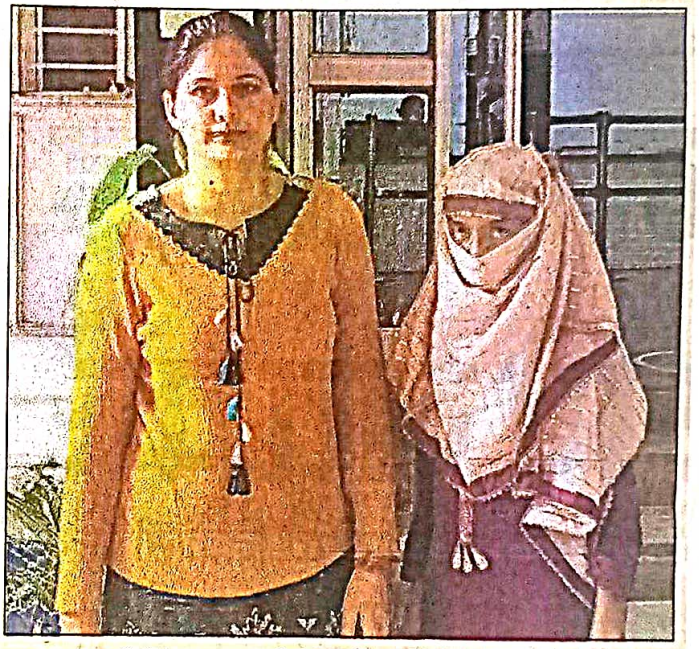

एक लापता बच्ची के साथ एएसआई सीमा ढका। • हिन्दुस्तान